SUCCESS STORIES
OF
AAS ADOPTED FARMERS

UNDER GRAMIN KRISHI MAUSAM SEWA SCHEME (GKMS)

AMFU

Chandra Shekhar Azad University of Agriculture
& Technology, Kanpur

Weather Based Advisories

Improved Crop Practices

Increased Productivity

Enhanced Income

Empowered Farmers

Naushad Khan | Ajay Kumar | Shivam Mishra

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना

एएमएफ़यू (AMFU)

चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

सफलता की कहानी – 1

किसान का नाम : अवधेश चन्द्र त्रिपाठी

आयु : 40 वर्ष

परिवार का आकार : 4 सदस्य

शिक्षा : एम.एससी.

मोबाइल नंबर : 99351 85957

जिला : सीतापुर

भूमि धारण : 2.5 हेक्टेयर

विषय : एग्रो-मौसम संबंधी परामर्श सेवाएँ

श्री अवधेश चन्द्र त्रिपाठी, सीतापुर जिले के अंतर्गत एक मध्यम किसान हैं। हस्तक्षेप से पूर्व वे धान, गेहूँ एवं सरसों की पारंपरिक खेती करते थे। एग्रोमेट परामर्श (AAS बुलेटिन) अपनाने के बाद अब वे धान, गन्ना, गेहूँ एवं मूंग (हरा ग्राम्र) की खेती कर रहे हैं।

एग्रोमेट परामर्श बुलेटिन अपनाने के बाद आय में वृद्धि

किसान का नाम	भूमि धारण (हे.)	उत्पादन एवं आय प्रति वर्ष								
		हस्तक्षेप से पूर्व					हस्तक्षेप के बाद			
		ऋतु	फसल	क्षेत्र (हे.)	उत्पादन (क्विं.)	शुद्ध आय (रु.)	फसल	क्षेत्र (हे.)	उत्पादन (क्विं.)	शुद्ध आय (रु.)
अवधेश चन्द्र त्रिपाठी	1.5 हे.	खरीफ	धान	1.5	38.3	32300.0	धान	1.0	40.0	40000.0
		रबी	गेहूँ	1.0	33.5	40900.0	गन्ना	0.5	–	–
			सरसों	0.2	2.0	5000.0	गेहूँ	1.0	36.75	57330.0
		जायद	निल				गन्ना	0.5	120	38400.0
							गन्ना	0.5	–	–
							मूंग (हरा ग्राम)	0.8	3.7	24050.0
कुल वार्षिक शुद्ध आय						78200.0				159780.9

खेत की झलकियाँ

धान की फसल

गेहूँ की फसल

गन्ना की फसल

मूंग (हरा ग्राम्र) की फसल

जीकेएमएस योजना किसानों को स्थान विशेष के मौसम आधारित एग्रोमेट परामर्श प्रदान कर फसल योजना, जोखिम प्रबंधन एवं आय वृद्धि में सहायक है।

बेहतर जानकारी
बेहतर खेती
बेहतर भविष्य

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना
(एएमएफयू)
चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

सफलता की कहानी – 2

किसान का नाम : श्री भरतेंद्र सिंह

आयु : 36 वर्ष

परिवार का आकार : 4 सदस्य

शिक्षा : बी.ए.

मोबाइल नंबर : 9411800830

ब्लॉक : भरथना

जिला : इटावा

भूमि धारण : 1.3 हेक्टेयर

विषय : एग्रो-मौसम परामर्श सेवाएँ

श्री भरतेंद्र सिंह इटावा जिले के अंतर्गत एक मध्यम किसान हैं। उनके पास 1.3 हेक्टेयर भूमि है, जो उनके परिवार के 4 सदस्यों के जीवन निर्वाह का एकमात्र साधन है। हस्तक्षेप से पूर्व वे खरीफ में धान एवं रबी में गेहूँ की पारंपरिक खेती करते थे।

एग्रो-मौसम परामर्श सेवाओं के हस्तक्षेप के पश्चात वे नियमित रूप से अपने कृषि कार्यों में उन्नत तकनीकों को अपनाकर धान, मक्का तथा सब्जियों की खेती करने लगे। खरीफ में उन्होंने उन्नत किस्मों के मक्का व धान की खेती की तथा अपने खेत के छोटे भाग में सब्जियाँ उगाई जिससे परिवार के उपभोग और आय दोनों में वृद्धि हुई। रबी में उन्होंने आलू, प्याज तथा टमाटर की सफल खेती की।

एग्रो-मौसम परामर्श सेवाओं को अपनाने से प्रतिकूल मौसम की स्थिति में होने वाले उपज हानियों से बचाव हुआ तथा वे गैर-एएस किसानों से अधिक लाभान्वित हुए। वे क्षेत्र के सफल किसानों में से एक हैं और अन्य किसानों के लिए प्रेरणा स्रोत बन गए हैं।

एग्रो-मौसम परामर्श बुलेटिन से आय में वृद्धि

किसान का नाम	भूमि धारण (हे.)	उत्पादन एवं आय प्रति वर्ष								
		हस्तक्षेप से पूर्व					हस्तक्षेप के बाद/नई फसल परिचय			
		मौसम	फसल	क्षेत्र (हे.)	उपज (क्विं.)	शुद्ध आय (रू.)	फसल	क्षेत्र (हे.)	उपज (क्विं.)	शुद्ध आय (रू.)
श्री भरतेंद्र सिंह	1.3 हे.	खरीफ	धान	1.3	38.5	23865.0	उन्नत धान	0.8	25.0	27500.0
							उन्नत मक्का	0.5	11.4	14820.0
		रबी	गेहूँ	1.3	32.3	30864.0	गेहूँ	0.6	28.2	26830.0
							आलू	0.5	100.0	50000.0
							प्याज	0.2	45.0	90000.0
		जायद	–	–	–	–	टमाटर	0.5	75.0	40965.0
कुल वार्षिक शुद्ध आय (रू.)					53729.0					250115.0

खेत की झलकियाँ

धान की फसल

मक्का की फसल

टमाटर की फसल

प्याज की उपज

एग्रो-मौसम परामर्श सेवाओं को अपनाएँ, बेहतर फसल उत्पादकता प्राप्त करें, जोखिम घटाएँ और आय बढ़ाएँ।

- बेहतर जानकारी
- बेहतर खेती
- बेहतर भविष्य

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना
(एएमएफयू)

चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

सफलता की कहानी - 3

किसान का नाम : श्री मनोज कुमार

आयु : 48 वर्ष

शिक्षा : स्नातक (B.A.)

ब्लॉक : भरथना

जिला : इटावा जिला, उत्तर प्रदेश

परिवार का आकार : 6 सदस्य

मोबाइल नंबर : 9759797754

भूमि धारणा : 2.0 हेक्टेयर

मुख्य फसलें (हस्तक्षेप के बाद) :
धान, गन्ना, गेहूँ एवं मूँग

कहानी संक्षेप में

श्री मनोज कुमार, इटावा जिला, उत्तर प्रदेश के एक मध्यम किसान हैं। हस्तक्षेप से पूर्व वे परंपरागत तरीके से धान, गेहूँ और सरसों की खेती करते थे। तकनीकी जानकारी के अभाव में आंग्रित उत्पादन प्राप्त नहीं हो पाता था। एएमएफयू इकाई एवं जी.के.एम.एस, परियोजना के वैज्ञानिकों व तकनीकी अधिकारिशों के मार्गदर्शन से उन्होंने उन्तत फसल तकनीक अपनाई और अपनी फसल प्रणाली में बदलाव करते हुए धान, गन्ना, गेहूं एवं मूंग की सफल खेती की। परिणामस्क्स्प उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और वे अपने क्षेत्र के प्रेरणासब्रोत किसान बन गए।

एग्रो-मौसम परामर्श बुलेटिन से आय में वृद्धि

किसान का नाम	भूमि धारणा (हे.)	उत्पादन एवं आय प्रति वर्ष									
		(हस्तक्षेप से पूर्व)						(हस्तक्षेप के बाद)			
		फसल	फसल	क्षेत्र (हे.)	उपज (क्विं./हे.)	कुल उपज (क्विं.)	कुल आय (रु.)	फसल	क्षेत्र (हे.)	उपज (क्विं./हे.)	कुल आय (रु.)
श्री मनोज कुमार	2.0 हे.	खरीफ	धान	2.0	65.6	131.20	29431.0	हाइब्रिड धान	1.5	55.0	22347.0
								हाइब्रिड मक्का	0.5	23.0	17544.0
		रबी	गेहूँ	1.5	28.5	42.75	21664.0	गेहूँ	1.2	35.3	19590.0
								सरसों	0.5	9.2	19581.0
			सरसों	0.5	3.5	1.75	5094.0	फूलगोभी	0.2	27.5	23560.0
		जायद	-	-	-	-	-	मिर्झ	0.2	34.5	12965.0
								मिर्च	0.2	12.0	18000.0
								गंन्ना	0.2	50.0	33550.0
								हाइब्रिड मक्का	0.8	35.6	23591.0
कुल वार्षिक आय (रु.)							56189.0				190728.0

आय में वृद्धि

वृद्धि राशि : ₹ 1,34,539/- प्रति वर्ष

खेत की झलकियां

धान की फसल

मक्का उत्पादन

एग्रो-मौसम परामर्श सेवाओं के लाभ

- उत्तम फसल एवं किस्मों की जानकारी
- वैज्ञानिक फसल प्रबंधन तकनीक
- समय पर मौसम आधारित सलाह
- लागत में कमी एवं आय में वृद्धि

संदेश

समय पर एग्रो-मौसम परामर्श सेवाएं अपनाएं, विज्ञान आधारित खेती से अधिक उत्पादन और अधिक आय प्राप्त करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना
(एएमएफयू)
चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

सफलता की कहानी – 4

किसान का नाम : श्री महेश यादव

आयु : 52 वर्ष

परिवार का आकार : 5 सदस्य

शिक्षा : एम.एससी. (कृषि)

मोबाइल नंबर : 9198229115

ग्राम : दलीप नगर

ब्लॉक : शिवराजपुर

जनपद : कानपुर नगर

भूमि धारण : 0.6 हेक्टेयर

विषय : एग्रो- मौसम परामर्श सेवाएँ

- श्री महेश यादव, कानपुर नगर जनपद के मेहनती सीमांत किसान हैं। उनकी मात्र 0.6 हेक्टेयर भूमि है, जिससे उनके परिवार के सदस्यों का जीवन-यापन होता है। पहले वे खरीफ में धान तथा रबी में गेहूँ की परम्परागत खेती करते थे, साथ में एक देसी गाय भी रखते थे।
- तकनीकी जानकारी और एग्रो-मौसम परामर्श सेवाओं के अभाव में उन्हें अपनी सीमित भूमि से अपेक्षित उत्पादन नहीं मिल पाता था। जीकेएणएस (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा) परियोजना से जुड़ने के बाद वे परियोजना वैज्ञानिकों के संपर्क में आए। उन्हें फसल उत्पादन, उन्नत किस्मों के चयन, संतुलित उर्वरक उपयोग, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा द्वि-साप्ताहिक एग्रो-मौसम परामर्श बुलेटिन की जानकारी प्राप्त हुई।
- परामर्शों को अपनाते हुए उन्होंने खरीफ, रबी एवं जायद तीनों मौसमों में फसलों एवं सब्जियों की विविध खेती प्रारम्भ की। उन्होंने मक्का की संकर किस्म एवं धान की उन्नत किस्म प्रारम्भ की तथा सब्जियाँ एवं दलहन की खेती कर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की।

एग्रो-मौसम परामर्श बुलेटिन से आय में वृद्धि

किसान का नाम	भूमि धारण (हे.)	उत्पादन एवं आय प्रति वर्ष								
		(परामर्श से पूर्व)					(परामर्श के बाद)			
		मौसम	फसल	क्षेत्र (हे.)	उपज (क्वि.)	शुद्ध आय (रु.)	फसल	क्षेत्र (हे.)	उपज (क्वि.)	शुद्ध आय (रु.)
श्री महेश यादव	0.6 हे.	खरीफ	धान	0.6	27.6	22600.0	धान (उन्नत)	0.4	21.2	15200.0
							हाइब्रिड मक्का	0.2	10.0	8000.0
		रबी	गेहूँ	0.6	23.5	25664.0	गेहूँ (उन्नत)	0.3	8.6	5517.0
							सरसों	0.15	1.5	2950.0
							आलू	0.1	20.6	7300.0
							बरसीम	0.05	–	(चारा)
		जायद	–	–	–	–	बैंगन	0.1	80.6	56944.0
							एम.पी. चरी	0.05	–	(चारा)
							काली मूंग	0.15	2.3	12768.0
							हरी मूंग	0.3	2.5	10602.0
		पशुपालन	1 देसी गाय		547.5	4712.5	दूध उत्पादन	1460 ली./वर्ष (अनुमानित)		41100.0
कुल वार्षिक शुद्ध आय (रु.)						52976.5				160381.0

खेत की झलकियाँ

धात का खेत

मक्का की उपज

एग्रो-मौसम परामर्श सेवाओं को अपनाकर श्री महेश यादव ने सीमित संसाधनों का बेहतर उपयोग किया और अपनी आय में कई गुना वृद्धि की है।

- बेहतर जानकारी
- बेहतर खेती
- बेहतर भविष्य

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना
(एएमएफयू)
चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

सफलता की कहानी – 5

किसान का नाम : श्री मधुकर तिवारी

आयु : 45 वर्ष

शिक्षा : स्नातकोत्तर

ग्राम : सैबसु

जनपद : कानपुर नगर

परिवार का आकार : 6 सदस्य

मोबाइल नंबर : 07068519406

ब्लॉक : बिठौर

भूमि धारण : 3.3 हेक्टेयर

विषय : एग्रो-मौसम परामर्श सेवाएँ

- श्री मधुकर तिवारी, ग्राम सैबसु, जनपद कानपुर नगर के एक बड़े किसान हैं। उनके पास 3.3 हेक्टेयर भूमि है तथा परिवार में 6 सदस्य हैं। वे खरीफ में धान तथा रबी में गेहूँ एवं सरसों की खेती करते थे, साथ ही उनके पास दो देशी गायें भी हैं।
- तकनीकी जानकारी एवं एग्रो-मौसम परामर्श सेवाओं के अभाव में उन्हें फसल विविधीकरण एवं उचित आय प्राप्त करने में कठिनाई होती थी। वे जीकेएमएस परियोजना, कृषि विज्ञान केंद एवं एएमएफ्यूयु (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा) परियोजना से जुड़े। परियोजना वैज्ञानिकों एवं तकनीकी अधिकारी से नियतित संपर्क में रहकर उन्होंने एग्रो-मौसम परामर्श सेवाओं का उपयोग किया।
- उन्होंने धान, गेहूँ, मक्का, सब्जी फसलें एवं चारा फसलें अपनाई तथा उन्नत किस्मों का प्रयोग किया। साथ ही डेयरी हेतु उन्नत नस्ल की गायें एवं भैंसें रखीं, जिससे दूध उत्पादन एवं आय में वृद्धि हुई।
- समय पर एग्रो-मौसम परामर्श सेवाएँ अपनाने, नई फसलें/किस्में अपनाने एवं वैज्ञानिक तकनीकों के उपयोग से उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई तथा वे ग्राम के सफल एवं प्रेरणादायक किसान बने।

एग्रो-मौसम परामर्श बुलेटिन से आय में वृद्धि

किसान का नाम	भूमि धारण (हे.)	उत्पादन एवं आय प्रति वर्ष									
		(परामर्श से पूर्व)						(परामर्श के बाद)			
		मौसम	फसल	क्षेत्र (हे.)	उपज (क्विं./हे.)	शुद्ध आय (रू.)	कुल शुद्धय (रू.)	फसल	क्षेत्र (हे.)	उपज (क्विं./हे.)	शुद्ध आय (रू.)
श्री मधुकर तिवारी	3.3 हे.	खरीफ	धान	3.3	70.6	34972.0	34972.0	हाइब्रिड धान	1.0	45.2	18972.0
								हाइब्रिड मक्का	2.0	70.0	44342.0
		रबी	गेहूँ	2.3	50.5	29414.0	26658.0	ज्वार (चारा)	0.3	-	(चारा)
								गेहूँ	1.0	35.6	14198.0
								सरसों	0.2	1.5	3742.0
			सरसों	1.0	5.0	4932.0		आलू	1.5	120.0	30532.0
								प्याज	0.5	45.0	32811.0
								बरसीम (चारा)	0.1	-	(चारा)
		पशुपालन		-		-	-	हाइब्रिड मक्का	1.0	35.2	15491.0
								हरी मूंग	1.0	6.0	12341.0
								काला चना	1.0	6.5	11402.0
								एम.पी. चारी	0.3	-	(चारा)
				2 देशी गाय		547.5	5212.5	3 भैंसें व 1 गाय	2920 ली./वर्ष		38314.0
								दूध उत्पादन	1460 ली./वर्ष		41100.0
कुल वार्षिक शुद्ध आय (रू.)						74530.5					222145.0

खेत की झलकियाँ

धान की फसल

कटाई उपरांत उत्पादन

सब्जी की फसल

एग्रो-मौसम परामर्श सेवाओं, उन्नत तकनीकों एवं फसल विविधीकरण के उपयोग से किसानों की आय में वृद्धि, उत्पादन में सुधार एवं सतत कृषि विकास संभव है।

- बेहतर जानकारी
- बेहतर खेती
- बेहतर भविष्य

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना

(एएमएफ़यू)

चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

सफलता की कहानी – 6

किसान का नाम : श्री सुशील तिवारी

आयु : 52 वर्ष

शिक्षा : परास्नातक (एम.ए.)

ग्राम : सैबसु

जनपद : कानपुर नगर

परिवार का आकार : 6 सदस्य

मोबाइल नंबर : 9721385705

ब्लॉक : बिल्हौर

भूमि धारण : 2.5 हेक्टेयर

विषय : एग्रो-मौसम परामर्श सेवाएँ

श्री सुशील तिवारी, ग्राम सैबसु, जनपद कानपुर नगर के एक प्रगतिशील एवं बड़े किसान हैं। उनके पास 2.5 हेक्टेयर भूमि है और परिवार में 6 सदस्य हैं।

- पूर्व में वे खरीफ में धान तथा रबी में गेहूँ व सरसों की पारंपरिक खेती करते थे, साथ ही उनके पास दो देशी गाय थीं। तकनीकी जानकारी के अभाव, फसल विविथीकरण की कमी तथा प्रतिकूल मौसम के कारण उन्हें अपेक्षित आय नहीं मिल पाती थी।
- जी.के.एम.एस. परियोजना के नोडल अधिकारी, वैज्ञानिकों एवं तकनीकी अधिकारी के संपर्क में आने के बाद उन्होंने एग्रो-मौसम परामर्श सेवाओं एवं एग्रो-मौसम बुलेटिनों का नियमित रूप से उपयोग करना प्रारंभ किया।
- उन्होंने धान, गेहूँ, मक्का, सरसों, आलू, प्याज़, बरसीम तथा उन्नत हाइब्रिड मक्का व धान का चयन किया। साथ ही वर्ष भर के लिए हरा चारा उत्पादन कर दूध उत्पादन को बढ़ाया और दो देशी गायों को बेचकर एक जर्सी गाय खरीदी।
- उन्नत किस्मों के चयन, संतुलित उर्वरक उपयोग, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा मौसम आधारित सलाह से उन्हें अधिक उत्पादन, आय वृद्धि तथा लागत में कमी का लाभ मिला।
- आज श्री सुशील तिवारी एग्रो-मौसम परामर्श सेवाओं के नियमित उपयोगकर्ता हैं और अपने गाँव के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुके हैं।

एग्रो-मौसम परामर्श बुलेटिन से आय में वृद्धि

किसान का नाम	भूमि धारण (हे.)	उत्पादन एवं आय प्रति वर्ष									
		(परामर्श से पूर्व)						(परामर्श के बाद)			
		मौसम	फसल	क्षेत्र (हे.)	उपज (क्विं./हे.)	शुद्ध आय (रू.)	कुल शुद्ध (रू.)	फसल	क्षेत्र (हे.)	उपज (क्विं./हे.)	शुद्ध आय (रू.)
श्री सुशील तिवारी	2.5 हे.	खरीफ	धान	2.5	65.6	41235.0	41235.0	हाइब्रिड धान	1.0	38.2	18200.0
								हाइब्रिड मक्का	1.5	50.0	32317.0
								जवार (चारा)	0.3	-	(चारा)
		रबी	गेहूँ	2.0	52.5	39414.0	43414.0	गेहूँ	1.3	35.6	21720.0
								सरसों	0.2	2.0	3742.0
								आलू	1.0	120.0	30532.0
								बरसीम (चारा)	0.1	-	(चारा)
		अन्य	सरसों	0.5	3.0	3000.0	3000.0	प्याज़	1.0	600+150	150000.0
		जायद	-	-	-	-	-	हाइब्रिड मक्का	1.0	35.2	20491.0
								ग्रीन ग्राम	0.4	1.5	6765.0
								एम.पी. चारी	0.1	-	(चारा)
		पशुपालन	2 देशी गाय			547.5	5212.5	1 जर्सी गाय दूध उत्पादन		1095 ली./वर्ष	14806.0
कुल वार्षिक शुद्ध आय (रू.)						74530.5					222145.8

खेत की झलकियां

धान की फसल

मक्का उपज का संग्रहण

प्याज़ की फसल

एग्रो-मौसम परामर्श सेवाओं के नियमित उपयोग से फसल उत्पादन, आय वृद्धि, लागत में कमी, जोखिम न्यूनीकरण तथा सतत कृषि विकास संभव हुआ।

- बेहतर जानकारी
- बेहतर खेती
- बेहतर भविष्य

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना

(एएमएफयू)

चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

सफलता की कहानी – 7

किसान का नाम : श्री मदन चन्द्र दीक्षित

आयु : 68 वर्ष

परिवार का आकार : 7 सदस्य

शिक्षा : 5वीं पास

मोबाइल नंबर : 9935276960

ग्राम : सैबरसु

ब्लॉक : बिल्हौर

जनपद : कानपुर नगर

भूमि धारण : 0.6 हेक्टेयर

विषय : एग्रो-मौसम परामर्श सेवाएं

श्री मदन चन्द्र दीक्षित, ग्राम सैबरसु, बिल्हौर ब्लॉक, जनपद कानपुर नगर के सीमांत किसान हैं, जिनके पास 0.6 हेक्टेयर भूमि है तथा परिवार में 7 सदस्य हैं। वे खरीफ में धान तथा रबी में गेहूं एवं सरसों की खेती करते थे। उनकी सभी फसलों की उत्पादकता संभावित उपज की तुलना में कम थी। प्रमुख कारण थे—एग्रोमेट सलाह की कमी, उपयुक्त फसल/किस्मों का चयन न होना तथा फसल विविधिकरण का अभाव।

- तकनीकी अधिकारी एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रति सप्ताह (मंगलवार एवं शुकवार) एग्रो-मौसम परामर्श बुलेटिन उपलब्ध कराया गया।
- सिफारिशित उन्नत कृषिय पद्धतियों, जैविक एवं रासायनिक कीट-रोग प्रबन्धन, भूमि एवं जल संरक्षण, भांडारण एवं विपणन संबंधी जानकारी प्रदान की गई।
- फसल विविधिकरण पर बल दिया गया तथा रबी में आलू, प्याज व मक्का जैसी नकदी फसलें शामिल करने हेतु प्रेरित किया गया।
- सब्जी फसलों तथा दुग्ध उत्पादन हेतु डेयरी प्रबंधन संबंधी परामर्श से अतिरिक्ति आय में वृद्धि हुई।
- इन सेवाओं के प्रभाव से उनकी आय दोगुनी से अधिक हो गई तथा कृषि को लाभकारी व्यवसाय के रूप में स्थापित किया जा सका।

एग्रो-मौसम परामर्श बुलेटिन से आय में वृद्धि

किसान का नाम	भूमि धारण (हे.)	उत्पादन एवं आय प्रति वर्ष									
		(परामर्श से पूर्व)						(परामर्श के बाद)			
		मौसम	फसल	क्षेत्र (हे.)	उपज (क्वि./हे.)	शुद्ध आय (रू.)	कुल शुद्ध (रू.)	फसल	क्षेत्र (हे.)	उपज (क्वि./हे.)	शुद्ध आय (रू.)
श्री मदन चन्द्र दीक्षित	0.6 है.	खरीफ	धान	0.6	20.3	11641.0	11641.0	हाइब्रिड धान	0.2	10.8	7240.0
								हाइब्रिड मक्का	0.4	18.5	15482.0
		रबी	गेहूं	0.5	15.5	9947.0	11747.0	गेहूँ	0.2	8.2	4580.0
								आलू	0.4	60.2	19531.0
			सरसों	0.1	7.0 (70 कि.ग्रा.)	1800.0		प्याज	0.4	60.0	63000.0
		जायर्द	–	–	–	–	0	हाइब्रिड मक्का	0.2	8.6	5197.0
कुल वार्षिक शुद्ध आय (रू.)							23388.0				115030.0

खेत की झलकियाँ

फसल उत्पादन – आलू

प्याज उत्पादन एवं भण्डारण

एग्रो-मौसम परामर्श सेवाओं को अपनाकर श्री मदन चन्द्र दीक्षित ने न केवल अपनी आय दोगुनी से अधिक की, बल्कि फसल विविधिकरण व वैज्ञानिक पद्धतियों से कृषि को समृद्ध एवं लाभकारी बनाया।

- बेहतर जानकारी
- बेहतर खेती
- बेहतर आय
- बेहतर भविष्य

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना
(एएमएफ़यू)

चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

सफलता की कहानी - 8

किसान का नाम : श्री राम नीवास मिश्रा

आयु : 45 वर्ष

शिक्षा : स्नातकोत्तर

ग्राम : सैबासु

जनपद : कानपुर नगर

परिवार का आकार : 6 सदस्य

मोबाइल नंबर : 7860931507

ब्लॉक : बिल्हौर

भूमि धारण : 3.3 हेक्टेयर

विषय : एग्रो-मौसम परामर्श सेवाएं

कहानी संक्षेप में

- श्री राम नीवास मिश्रा, जनपद कानपुर नगर के एक परिश्रमी प्रगतिशील कृषक हैं। उनके पास 3.3 हेक्टेयर भूमि है तथा परिवार में 6 सदस्य हैं। पूर्व में वे खरीफ में धान तथा रबी में गेहूं एवं सरसों की खेती करते थे। तकनीकी ज्ञान के अभाव, फसल विविधीकरण की जानकारी न होने तथा प्रतिकूल मौसम के कारण अपेक्षित उत्पादन प्राप्त नहीं हो पा रहा था।
- एएमएफयू (AMFU) इकाई, नोडल अधिकारी, जी.के.एम.एस. परियोजना तथा वैज्ञानिकों एवं तकनीकी अधिकारियों द्वारा प्रदत्त एग्रो-मौसम परामर्श बुलेटिन के माध्यम से उन्हें उन्नत एवं उपयुक्त फसल/किस्मों, उर्वरक, कीट-रोग प्रबंधन, सिंचाई प्रबंधन एवं फसल विविधीकरण की जानकारी प्रदान की गई।
- परामर्श सेवाओं के फलस्वरूप उन्होंने धान की जगह उन्नत किस्मों की धान की खेती, मक्का, ज्वार, अरहर/दल, आलू, प्याज एवं बरसीम जैसी फसलों को अपनाया तथा तीन दुधारू गायों को पालकर दुग्ध उत्पादन प्रारम्भ किया, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।
- आज श्री राम नीवास मिश्रा एग्रो-मौसम परामर्श सेवाओं के नियमित उपयोगकर्ता हैं और अन्य किसानों के लिए प्रेरणासत्रोत बन चुके हैं।

एग्रो-मौसम परामर्श बुलेटिन से आय में वृद्धि

किसान का नाम	भूमि धारण (हे.)	उत्पादन एवं आय प्रति वर्ष									
		(परामर्श से पूर्व)						(परामर्श के बाद)			
		सीजन	फसल	क्षेत्र (हे.)	उत्पादन (क्विं. /हे.)	कुल उत्पादन (क्विं.)	शुद्ध आय (रु.)	फसल	क्षेत्र (हे.)	उत्पादन (क्विं. /हे.)	शुद्ध आय (रु.)
श्री राम नीवास मिश्रा	3.3 हे.	खरीफ	धान	3.3	70.6	232.98	34975.0	हाइब्रिड धान	0.5	23.2	12965.0
								हाईब्रिड मक्का	2.6	82.0	55775.0
								ज्वार	0.2	–	(चारा)
		रबी	गेहूँ	2.3	50.5	116.15	27946.0	गेहूँ	1.5	42.6	23998.0
								सरसों	0.2	1.5	3542.0
								आलू	1.5	140.0	28318.0
			सरसों	1.0	5.0	5.00	4532.0	प्याज	1.0	70.0	59500.0
								बरसीम (चारा)	0.1	–	(चारा)
		जायद	–	–	–	–	–	हाइंब्रिड मक्का	0.7	25.2	20295.0
								मुंगा	1.0	10.2	27342.0
								एम.पी. चारी (चारा)	0.3	–	(चारा)
		पशुपालन	1 देसी गाय			–	–	3 दुधारू गाय		2920 ली./वर्ष दुध	28650.0
कुल वार्षिक शुद्ध आय (रु.)							67453.0				250053.0

आय में वृद्धि रु 1,82,600/- प्रति वर्ष की वृद्धि

खेत की झलकियाँ

धान की फसल

हाइब्रिड मक्का की फसल

एग्रो-मौसम परामर्श सेवाओं के उपयोग से फसल उत्पादन, फसल विविधीकरण, लागत में कमी, जोखिम न्यूनीकरण एवं सततं कृषि विकास संभव हुआ।

मुख्य लाभ

- उत्पादन में वृद्धि
- आय में वृद्धि
- फसल विविधीकरण
- लागत में कमी
- जोखिम में कमी
- सतत कृषि विकास

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना
(एएमएफ़यू)
चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

सफलता की कहानी – 9

किसान का नाम : श्री जगदीश यादव
आयु : 63 वर्ष
शिक्षा : बी.ए.
ग्राम : नगला गुड़े
जनपद : इटावा

परिवार का आकार : 8 सदस्य
मोबाइल नंबर : 82737 97326
ब्लॉक : भरथना
भूमि धारण : 1.5 हेक्टेयर
विषय : एग्रो-मौसम परामर्श सेवाएँ

कहानी संक्षेप में

- श्री जगदीश यादव, जनपद कानपुर नगर के एक मध्यम वर्गीय किसान हैं। उनके पास 1.5 हेक्टेयर भूमि है, जो उनके 4 सदस्यों के परिवार के भरण-पोषण का एकमात्र साधन है। हस्तक्षेप से पूर्व वे खरीफ में धान तथा रबी में गेहूँ और सरसों की पारंपरिक खेती करते थे।
- एग्रोमेट परामर्श सेवाओं के नियमित उपयोग से उन्होंने उन्नत तकनीकों को अपनाया और फसल विविधीकरण किया। खरीफ में संकर मक्का/धन तथा रबी में आलू, प्याज और टमाटर को भी शामिल किया।
- परामर्श सेवाओं के कारण उन्होंने गलतियों से बचाव, कीट नियंत्रण, सिंचाई प्रबंधन, उन्नत बीजों का उपयोग और फसल रक्षा उपायों को समय पर अपनाया, जिससे उत्पादन एवं आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।
- आज वे गैर एसएएस (AAS) किसानों के लिए प्रेरणास्रोत हैं और नई तकनीकों को अपनाने के लिए अन्य किसानों को भी प्रेरित करते हैं।

एग्रो-मौसम परामर्श बुलेटिन से आय में वृद्धि

किसान का नाम	भूमि धारण (हे.)	उत्पादन एवं आय प्रति वर्ष									
		(परामर्श से पूर्व)						(परामर्श के बाद)			
		सीजन	फसल	क्षेत्र (हे.)	उपज (क्वि./हे.)	शुद्ध आय (रू.)	कुल शुद्ध (रू.)	फसल	क्षेत्र (हे.)	उपज (क्वि./हे.)	शुद्ध आय (रू.)
श्री जगदीश यादव	1.5 हे.	खरीफ	धान	1.5	38.6	22965.0	22965.0	Hybrid Rice	0.5	28.2	15388.0
								Hybrid maize	1.0	45.0	39547.0
		रबी	गेहूँ	1.0	30.5	22235.0	24735.0	Wheat	0.3	20.5	19089.0
								Mustard	0.1	1.5	2689.0
								Potato	1.8	110.0	26744.0
			सरसों	0.5	2.0	2500.0		Berseem (Fodder)	0.1	–	–
		जायद	–	–	–	–	–	Hybrid Maize	0.2	8.2	4962.0
								Green gram	0.1	1.5	5200.0
								MP chari (Fodder)	0.1	–	–
		पशुपालन		1 देसी गाय		547.5	5212.5	2 Buffalo milk production		2185 lit. Milk	28650.0
कुल वार्षिक शुद्ध आय (रू.)							52912.5				142269.0

आय में वृद्धि — **₹ 89,356.5 प्रति वर्ष की वृद्धि**

खेत की झलकियाँ

धान की फसल

संकर मक्का की फसल

एग्रो-मौसम परामर्श सेवाओं को अपनाकर सही फसल चयन, उन्नत तकनीक, समय पर प्रबंधन एवं फसल विविधीकरण से उत्पादन बढ़ाएँ तथा आय में स्थायी वृद्धि प्राप्त करें।

मुख्य लाभ

- उत्पादन में वृद्धि
- आय में वृद्धि
- फसल विविधीकरण
- लागत में कमी
- जोखिम में कमी
- सतत कृषि विकास

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना
(एएमएफयू)
चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

सफलता की कहानी - 10

किसान का नाम : श्री रमाकांत शुक्ला

आयु : 45 वर्ष

परिवार का आकार : 4 सदस्य

शिक्षा : 12वीं पास

मोबाइल नंबर : 9044682950

ग्राम : सैबेस्तु

ब्लॉक : बिल्हौर

जनपद : कानपुर नगर

भूमि धारण : 2.0 हेक्टेयर

विषय : एग्रो-मौसम परामर्श सेवाएँ

- श्री रमाकांत शुक्ला, ग्राम सैबेस्तु, ब्लॉक बिल्हौर, जनपद कानपुर नगर के एक मध्यम किसान हैं। उनके पास 2.0 हेक्टेयर भूमि है तथा परिवार में 4 सदस्य हैं। पहले वे खरीफ में धान तथा रबी में गेहूं एवं सरसों की खेती करते थे। तकनीकी जानकारी एवं एग्रो-मौसम परामर्श सेवाओं की कमी के कारण फसल विविधीकरण नहीं हो पा रहा था।
- वे एएमएफयू (AMFU) इकाई कानपुर, नोडल अधिकारी, जी.के.एम.एस. परियोजना, वैज्ञानिकों एवं तकनीकी अधिकारियों के संपर्क में आए। उन्हें एग्रो-मौसम परामर्श बुलेटिन के माध्यम से उन्नत कृषि तकनीक, फसल विविधीकरण, कीट-रोग प्रबंधन, सिंचाई प्रबंधन एवं फसल संरक्षण की जानकारी प्रदान की गई।
- उन्होंने धान, गेहूं, मक्का, आलू, प्याज, मूंग एवं एम.पी. चरी का उन्नत किस्मों के साथ वैज्ञानिक विधि से उत्पादन करना शुरू किया।
- फसल विविधीकरण, सही तकनीक एवं एग्रो-मौसम परामर्श सेवाओं को अपनाने से उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।
- आज वे अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन चुके हैं तथा अपने गाँव में उन्नत कृषि का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं।

एग्रो-मौसम परामर्श बुलेटिन से आय में वृद्धि

सो लाल मो वनला	भूमिं धारण (हे.)	उत्पादन एवं आय प्रति वर्ष									
		(परामर्श से पूर्व)						(परामर्श के बाद)			
		सीजन	फसल	क्षेत्र (हे.)	उपज (क्वि./हे.)	कुल उपज (क्वि.)	कुल आय (रू.)	फसल	क्षेत्र (हे.)	उपज (क्वि./हे.)	कुल आय (रू.)
श्री रमाकांत शुक्ला	2.0 हैं.	खरीफ	धान	2.0	68.6	137.20	35911.0	हाइब्रिड धान	0.5	45.2	27654.0
								हाइब्रिड मक्का	1.5	72.0	57902.0
		रबी	गेहूं	1.5	50.5	75.75	30031.0	गेहूं	0.5	22.6	19640.0
								सरसों	0.2	1.0	1700.0
			सरसों	0.5	2.5	1.25	4532.0	आलू	2.3	210.0	49107.0
								प्याज	1.0	60.0	34423.0
		जायद	-	-	-	-	-	हाइब्रिड मक्का	1.0	45.2	20491.0
								ग्रीन ग्राम	0.5	4.5	12637.0
कुल वार्षिक शुद्ध आय (रू.)							**67453.0**				**223554.0**

आय में वृद्धि ₹ 1,56,101/- प्रति वर्ष की वृद्धि

खेत की झलकियाँ

धान की फसल

मक्का की फसल

प्याज की कटाई एवं भंडारण

एग्रो-मौसम परामर्श सेवाओं को अपनाकर उचित फसल चयन, फसल विविधीकरण, लागत में कमी, जैविक तकनीक अपनाने एवं सतत कृषि विकास संभव हुआ।

मुख्य लाभ

- उत्पादन में वृद्धि
- आय में वृद्धि
- फसल विविधीकरण
- लागत में कमी
- जोखिम में कमी
- सतत कृषि विकास

चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर-208002

CHANDRA SHEKHAR AZAD UNIVERSITY OF AGRICULTURE & TECHNOLOGY, KANPUR-208002